हम कर्ज चुका ना पायेंगे, हरदेव तेरे एहसानों का।
ये कहना है तेरे भक्तों का, और तेरे इन दिवानो का

इस जलती बलती दुनिया पे, जो तुमने रहमत बरसाई
हम किस्मत वाले हैं सारे, हमने जो तेरी सोहबत पाई
तुम ना मिलते तो रूल जाते, क्या होता हम नादानो का
ये कहना है तेरे भक्तों का.....

ये सारे गवाही देते हैं, हरदेव तेरे उपकारों की।
हर ओर है चर्चा इक तेरा, और गूज तेरे जयकारों की।
तारीफ तेरी हम कैसे करें, ये कहना है विद्धानों का।
ये कहना है तेरे भक्तों.....

हरदेव गुरू का प्यार हमें, अब सतगुरू माँ से पाना है।
इस मिशन को मिलजुल "शौक" हमें, हर मानव तक पहुँचाना है।
गुरूमत पे चले मनमत से टले, किरदार बनें इन्सानों का
ये कहना है तेरे सन्तो का .....

(तर्ज : दीवानो से ये मत पूछो)